>

Title: Submission on the situation arising out of fast staged by Shri Anna Hazare on Lok Pal Bill.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष जी, श्री अण्णा हजारे जी के अनशन से जो परिस्थिति देश में निर्माण हो रही थी...(व्यवधान) उसका हल ढूंढ़ने के लिए माननीय प्रधान मंत्री जी ने कल अपने आवास पर एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। उस सर्वदलीय बैठक के दो ही लक्ष्य थे, एक अण्णा जी का अनशन तुड़वाया जाए और दूसरा देश में प्रभावी और सशक्त लोकपाल लाया जाए। उस सर्वदलीय बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें अण्णा जी से यह अनुरोध किया गया कि वह अपना अनशन तोड़ दें और यह कहा गया कि जन लोकपाल बिल को डयू कंसिडरेशन देते हुए एक ऐसा फाइनल ड्राफ्ट लाया जाएगा, जिससे प्रभावी और सशक्त लोकपाल निकले। हम सब सोच रहे थे कि इस प्रस्ताव के बाद सरकार इस दिशा में आगे बढ़ेगी कि उनका अनशन टूट जाए। लेकिन हमें हैरानी हुई कि जब अण्णा जी के प्रतिनिधि सरकारी प्रतिनिधियों के साथ बात करने के बाद बाहर आए और उन्होंने कहा कि सरकार ने कहा है कि अगर अण्णा अनशन करते हैं तो करें, यह उनकी समस्या है। ...(व्यवधान) देर रात प्रणब जी का बयान आया और सलमान खुर्शीद जी का इंटरव्यू आया कि यह सही नहीं है, हमारे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया है। सलमान जी ने यह कहा कि बात हो रही है और बात आगे होगी। मैं चाहूंगी कि नेता सदन यहां बैठे हैं, वह एक बार सही वस्तुस्थिति से सदन को अवगत करा दें, ताकि सदन के माध्यम से देश को पता चल जाए की सही क्या है, क्योंकि बेवजह स्थिति भड़की हुई है। जो बात अण्णा जी के प्रतिनिधियों ने कही, उससे स्थिति भड़की हुई है।...(व्यवधान) नेता सदन की हम प्रतिक्रिया जानना चाहते हैं।...(व्यवधान)

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Madam, I am grateful to the hon. Leader of the Opposition that she has brought to my attention a distorted version of what I said....(*Interruptions*) In fact, at the end of the meeting, when all of them left, I came out of my office and told the waiting journalists that we request Shri Anna Hazare to break his fast. The nation requires robust, healthy Shri Anna Hazare in the service of the nation....(*Interruptions*) We are in the midst of discussion and naturally these distortions should not take place. I did not say a word and I do not know how it appeared. Even at late night, at 12.30 a.m., when I came to know, I corrected the position....(*Interruptions*)

Unfortunately, my friends are not allowing me to make my voice being heard by others. But I would like to place it on record that what appeared was totally distorted. No word was said in the meeting itself. I did not have an iota of it until somebody told me that this distortion was coming. I thought I should clarify the position....(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: We will proceed with the Question Hour.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Let us proceed with the Question Hour. We have not had the Question Hour for a long time.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Question No. 321, Shri Bhoopendra Singh.